भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 680
दिनांक 06 फरवरी, 2025

राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान का विस्तार

†680. डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानी :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की उत्तर प्रदेश के जायस, अमेठी में स्थित राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान जोकि आईआईटी के समकक्ष राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, के विस्तार और विकास की कोई योजना है;

(ख) क्या सरकार की इसके नोएडा, बंगलौर और असम के शिवसागर में मौजूदा क्षेत्रीय केन्द्रों के अलावा नए क्षेत्रीय केन्द्र खोलने की कोई योजना है; और

(ग) क्या सरकार की केरल में विद्यमान पर्याप्त इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी प्रतिभा को देखते हुए वहां राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान का क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में राजीव गाँधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) की स्थापना वर्ष 2007 में जायस, अमेठी, उत्तर प्रदेश में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से की गई। संस्थान का मुख्य उद्देश्य कुशल मानव संसाधनों को तैयार करने तथा पेट्रोलियम और ऊर्जा उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के निमित्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना है। इसके विस्तार और विकास योजना के एक अंग के रूप में, दो केन्द्रों - असम ऊर्जा संस्थान (एईआई), सिवसागर, असम और ऊर्जा संस्थान, बेंगलुरु (ईआईबी), कर्नाटक पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, संस्थान ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार किया है और अब विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी और प्रबन्धन के क्षेत्र में पीएचडी के साथ 7 डिप्लोमा, 15 बीटेक, 4 एमटेक, एमबीए पाठ्यक्रम चला रहा है।

वर्तमान में, केरल राज्य सहित राजीव गाँधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) का कोई नया क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित करने की कोई योजना नहीं है।

****